माँ ब्रह्मचारिणी जी की आरती (

माँ ब्रह्मचारिणी जी की आरती (
ती (Maa Brahmacharini Ji Ki Aarti)
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ,
ॐ जय ब्रह्मचारिणी माँ,
अपने भक्त जनो पे,
अपने भक्त जनों पे,
करती सदा ही दयाती सदा ही दया
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ॐ
ॐ जय ब्रह्मचारिणी माँ
ॐ जय ब्रह्मचारिणी माँ
अपने भक्तों जनो पे
अपने भक्तों जनो पे
करती सदा ही दयाती सदा ही दया
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ॐ
दर्शन अनुपम मधुरमम,
साद नारद रेहती
ेहती,
मैया साद नारद रेहती
ेहती,
शिव जी की आराधना
ाधना,
शिव जी की आराधना
ाधना,
मैया सदा करतीती,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ॐ
बाये हाथ कमंडल,
दाहिन में मालान में माला,
मैया दाहिन में मालान में माला,
रूप जो तिरीमय अद्भुत
ीमय अद्भुत,
रूप जो तिरीमय अद्भुत
ीमय अद्भुत,
सुख देने वाला,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ॐ
देव ऋषि मुनि साधु
साधु
गुण माँ केगातें केगाते,
सब गुण माँ केगातें केगाते,
शक्ति स्वरूपा मैया स्वरूपा मैया,

शक्ति स्वरूपा मैया स्वरूपा मैया,
सब तुझको ध्याते,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ँ
सन जम तब वैराग्याग्य,
प्राणी वो पाता,
मैया प्राणी वो पाता
ब्रह्मचारिणी माँ कौँ को,
ब्रह्मचारिणी माँ कौँ को,
जो निशिदिनी ध्याता
नी ध्याता,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ँ
नव दुर्गो में मैयागो में मैया,
दूजा तुम्हारा स्वरूपा स्वरूप,
मैया दूजा तुम्हारा स्वरूपा स्वरूप,
श्वेत वस्त्र धारिणी माँ
ाँ,
श्वेत वस्त्र धारिणी माँ
ाँ,
ज्योतिर्मय तेरा रूप
ा रूप,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ँ
दूजे नवरात्रे मैयारे मैया,
जो तेरा व्रत धारे
े,
मैया जो तेरा व्रत धारे
े,
करकेदया जग जननीकेदया जग जननी,
करकेदया जग जननीकेदया जग जननी,
तू उसको तारेे,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ँ
शिव प्रिय शिवा ब्रम्हाणी
वा ब्रम्हाणी,
हम पे दया करियो,
मैया हम पे दया करियो,
बालक है तेरे हीे ही,
बालक है तेरे हीे ही,
दया दृष्टि रखियो
यो,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ। ँ

शरण तिहारी आएी आए,
ब्रम्हाणी माता,
हे ब्रम्हाणी माता,

करुणा हम पे दिखाओ
खाओ,
करुणा हम पे दिखाओ
खाओ,
शुभ फल की दाताुभ फल की दाता,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ।ँ
ब्रह्मचारिणी की आरतीती,
जो कोई गावे,
मैया जो कोई गावे,
कहत शिवानंद स्वामीवानंद स्वामी,
कहत शिवानंद स्वामीवानंद स्वामी,
मन वांछित फल पावेित फल पावे,
ओम जय ब्रह्मचारिणी माँ।ँ